10. क्रिया

काम का करना या होना बताने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं। कुछ क्रियाएँ स्वयं घटित होती हैं तो कुछ क्रियाएँ की जाती हैं। क्रिया के बिना वाक्य पूर्ण नहीं हो सकता।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ 70 पर दिए वाक्यों को पढ़वाएँ और उनके क्रिया शब्द बताएँ।
- ❖ क्रिया की परिभाषा छात्रों से सुनें।
- ❖ क्रिया से संबंधित कुछ विशेष बिंदुओं पर ध्यान दिलाएँ।
- ❖ पृष्ठ 70 पर दिए गए विशेष बिंदु पढ़ें तथा समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, क्रिया 'कृ' धातु से बनी है जिसका अर्थ होता है काम करना। जो काम को करता है वह क्रिया का कर्ता होता है। समझाएँ कि क्रिया के मूल रूप को धातु कहा जाता है। यह भी बताएँ कि क्रिया के बिना वाक्य पूर्ण नहीं हो सकता।
- ❖ बताएँ, क्रिया विकारी शब्द है इसलिए इस पर वचन और लिंग का प्रभाव पड़ता है जिसके कारण क्रिया का रूप बदल जाता है।
- ❖ क्रियाओं के धातु रूपों से परिचित कराएँ। सामान्य धातु, व्युत्पन्न धातु, नामधातु एवं मिश्र धातु के बारे में विस्तार से चर्चा करें।
- ❖ छात्रों से क्रिया के भेदों के बारे में पूछें।
- ❖ तदुपरांत समझाएँ प्रयोग के आधार पर क्रिया सकर्मक और अकर्मक होती है।
- ❖ पृष्ठ 71-72 पर दिए उदाहरणों की सहायता से अकर्मक-सकर्मक क्रिया का अंतर स्पष्ट करें।
- ❖ समझाएँ, सकर्मक-अकर्मक क्रिया की पहचान के लिए वाक्य की क्रिया के साथ केवल 'क्या' लगाकर प्रश्न करें। यदि उत्तर मिलता है तो क्रिया सकर्मक होती है और यदि कुछ उत्तर नहीं प्राप्त होता तो क्रिया अकर्मक होती है।
- ❖ पृष्ठ 72 पर सकर्मक क्रिया के भेदों-एककर्मक, द्विकर्मक से भी परिचित कराएँ। समझाएँ, द्विकर्मक क्रिया की पहचान के लिए क्रिया के साथ 'क्या तथा किसे' लगाकर प्रश्न करें। यदि दोनों प्रश्नों के उत्तर प्राप्त हों तो क्रिया में दो क्रम हैं।
- ❖ रचना के आधार पर क्रिया के पाँचों रूपों– सामान्य क्रिया, संयुक्त क्रिया, नामधातु क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया तथा पूर्वकालिक क्रिया के बारे में बताएँ। पृष्ठ 73-74 सभी भेदों को विस्तारपूर्वक समझाएँ।

- ❖ छात्रों से बातचीत करते हुए बताएँ कि कुछ काम हम करते हैं, कुछ काम स्वयं हो जाते हैं तथा कुछ काम ऐसे होते हैं जो दूसरों से करवाएँ जाते हैं, उन्हें प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। ऐसे कार्य स्वयं न करके किसी से प्रेरणा पाकर किए जाते हैं। प्रेरणार्थक क्रिया के भेद समझाएँ।
- ❖ पृष्ठ 74 पर दिए शब्दों की सूची द्वारा प्रथम प्रेरणार्थक तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूपों की रचना करना बताएँ।
- ❖ सुनिश्चित कर लें कि छात्र भली-भाँति समझ गए हैं या नहीं।
- ❖ 'अब तक हमने सीखा' के अंतर्गत दिए बिंदुओं द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवा लें।